

lity of the ore for production of pellets; sponge iron has been established and an overall assessment has been made of the area as a whole in the context of infra-structure facilities and economic feasibility, as well as availability of financial resources.

**Deposits of lime shell in Payyanoor area of Kerala**

2534. SHRI A. K. GOPALAN: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the lime shell deposits in large quantities in the Payyanoor area of Cannanore District of Kerala;

(b) if so, whether any survey has been conducted to assess the deposits; and

(c) if not, whether Government propose to do so in near future?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SUKHDEO PRASAD): (a) and (b). No large deposits of lime shell has been located in Payyanoor area of Cannanore district of Kerala. Since the deposits were minor, no detailed investigation was conducted.

(c) Geological Survey of India, at present, has no programme of investigation for lime shell in the area.

**Establishing Ayurvedic University in States**

2535. SHRI A. K. GOPALAN: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state:

(a) whether Government will consider to establish Ayurvedic University in each State as demanded by the Ayurvedic Congress recently; and

(b) if so, when?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI A. K. M. ISHAQUE): (a) The Government of India do not propose to establish any Ayurvedic University in any State.

(b) Question does not arise.

**बंगला देश से आये शरणार्थियों का इन्दौर (मध्य प्रदेश) में पुनर्वास**

2536. डा० लक्ष्मीनारायण दांडेय : क्या पूर्ति और पुनर्वास मंत्रों के द्वारा बंगलादेश के शरणार्थियों की संख्या का वर्णन कि.

(क) क्या सरकार का ध्यान इन्दौर (मध्य प्रदेश) में प्रकाशित दिनांक 31 जनवरी, 1975 के एक दैनिक समाचार-पत्र की ओर दिलाया गया है जिसमें इन्दौर नगर में बसाये गये बंगलादेश शरणार्थियों की दुर्दशा का वर्णन है; और

(ख) इन समय मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों में बंगलादेश के विस्थापितों की संख्या क्या है और वे वहाँ कहाँ पर है ?

पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री झारू के० खाविलकर) : (क) जी, हाँ। इन्दौर के कलेक्टर द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा उनकी रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

(ख) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान में आये तथा इस समय झन्डिकापुर, कुंजबन, धर्म-जयगढ, रायपुर, उसराग, बहेलियाभाट, शाहपुर, पल्ला, झरगही, गांधीसागर, होशंगाबाद, छिदवाड़ा, भोपाल तथा इन्दौर में रह रहे प्रवासी परिवारों की संख्या 5543 है। इस संख्या में दण्डकारण्य परियोजना एवं मध्य प्रदेश के राहत शिविरों में रह रहे प्रवासी शामिल नहीं हैं।